राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

फिंच के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को हराया

>> 12

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 6

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 16 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

महामुकाबले में टीम इंडिया की नजरें सातवें 'आसमान' पर

हम इस मैच के लिए बहुत ज्यादा भावुक और उत्साहित नहीं हो सकते हैं। हम इसे विश्व कप के बाकी मैचों की तरह ही लेंगे और मैंने टीम को यही कहा है।
-विराट कोहली, कप्तान

विश्व कप : पाक पर लगातार सातवीं जीत की आस

- 131 वनडे में भारत ने 54, पाक ने 73 जीते। चार बेनतीजा
- 6 बार विश्व कप में मुकाबला। सभी मैच भारत ने जीते
- 5 मैच इंग्लैंड में खेले गए, तीन भारत और दो पाक ने जीते
- 1 मैच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में हुआ, भारत विजयी

मौजूदा टीमों में सबसे ज्यादा

1230 रन बनाए हैं धौनी ने पाक के खिलाफ

486 रन बनाए हैं मोहम्मद हफीज ने भारत के खिलाफ

सरफराज ▶ अहमद, कप्तान

वनडे रैंकिंग

भारत	पाकिस्तान
2	7

क्रिकेट महाकुंभ

भारत vs पाकिस्तान

दोपहर 3:00 बजे से

स्थान : मैनचेस्टर

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

भारत और पाक मैच को लेकर क्रिकेट जगत में अलग माहौल है। मैं यही कहना चाहूंगा कि यह एक क्रिकेट मैच है और इसे उसी तरह लेना चाहिए।
-मिकी आर्थर, कोच, पाकिस्तान

विश्व कप में दैनिक जागरण

अभिषेक त्रिपाठी ● मैनचेस्टर

इस समय दुनिया में सिर्फ मैनचेस्टर ही ऐसा शहर है, जहां सब आसमान की ओर निहार रहे हैं। और जो इस शहर में नहीं हैं, वे अखबार, टेलीविजन और इंटरनेट सहित अपने सभी स्त्रोतों से पता करने में जुटे हैं कि मैनचेस्टर में रविवार को बारिश होगी या नहीं। आखिर ऐसा हो भी क्यों नहीं, यहां के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत-पाकिस्तान के बीच विश्व कप का सबसे बड़ा मुकाबला जो खेला जाना है। ऐसे सभी लोगों से मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि अगर मौसम विभाग की मानें तो आसमान में घुमड़ते बादल आपकी उम्मीदों को कुछ हद तक गीला करेंगे, लेकिन मैच होने की पूरी संभावना है। अगर थोड़ी बहुत बारिश होती है तो ओवरों की संख्या में कटौती की जा सकती है। इस सबके बीच विराट एंड कंपनी की नजरें पाक को विश्व कप में लगातार सातवीं बार हराकर सातवें आसमान पर पहुंचने पर हैं।

आम मुकाबला नहीं यह: कप्तान विराट कोहली ने मैच से पहले कहा कि हम अन्य मैच की तरह ही इसमें भी खेलेंगे, लेकिन सबको पता है यह आम मुकाबला नहीं है। दो साल पहले ओवल स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाक ने भारत को हराया था। उसके बाद भी विराट ने यही कहा था कि यह एक मैच था, जिसमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और हम हार गए। लेकिन मैदान से निकलते ही भारतीय प्रशंसकों को लूजर-लूजर के नारे झेलने पड़े थे। इसलिए कोई शक नहीं कि रविवार को जब यहां भारत-पाकिस्तान के प्रशंसक जुटेंगे तो 14 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद फिजाएं गर्म होंगी और उसका ताप दोनों देशों के सुदूर गांवों तक महसूस किया जाएगा।

भारतीय टीम है मजबूत : इसमें कोई शक नहीं कि टीम इंडिया, पाक के मुकाबले काफी मजबूत है। विराट सेना दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर आई है, जबकि सरफराज अहमद की टीम को वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि उसने दुनिया की नंबर-1 इंग्लिश टीम को पराजित किया है। दोनों टीमों का एक-एक मैच बारिश के कारण नहीं हुआ। तटस्थ होकर दोनों टीमों का आकलन करूं तो कह सकता हूं कि मैच में भारत की जीत की संभावनाएं ज्यादा हैं। तो आप अपनी सीट की बेल्ट बांध लें, टेलीविजन और केबल कनेक्शन चेक कर लें, खाने का इंतजाम कर लें और महामुकाबले में भारत का समर्थन करने के लिए तैयार हो जाएं।

पूरी कवरेज >> पेज 12

लोकतंत्र के प्रहरी

आपातकाल के 44 साल

छह साल बिना मुकदमा जेल में बंद रहे बाबू लाल मानव

गाजीपुर : आपातकाल के दौर का जिक्र होते ही बाबू लाल मानव का चेहरा गुस्से से लाल हो जाता है। उस समय सिर्फ सरकार के फैसले का विरोध उनके लिए किस कदर कष्टकारी था, कल्पना कर पाना भी मुश्किल है। न सिर्फ शारीरिक सितम सहना पड़ा, बल्कि मानसिक वेदना और ताड़ना से भी दो-चार होना पड़ा। ● पेज 13

पिता को नमन

फादर्स डे पर विशेष

पंक्चर जोड़ पिता ने दौड़ाई बच्चों के भविष्य की गाड़ी

हमीरपुर : पिता, जीवनदाता हैं और पालनहार भी। धूप में वह छांव हैं तो मन हारने पर विश्वास भी। मुसीबतों की बारिश में समाधान का छाता भी वही हैं। जब कदम डगमगाए तो सहारा बनकर साथ खड़े हुए और भटक गए तो सही राह दिखाई...। आज 'फादर्स डे' पर 'पिता' के समर्पण को समर्पित जागरण विशेष। ● पेज 13

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

आतंकवाद एशिया में सबसे गंभीर खतरा : जयशंकर

दुशांबे : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद एशिया में लोगों के लिए 'सबसे गंभीर खतरा' बना हुआ है। आतंकवादियों और उनकी हरकतों से पीड़ितों को एक ही नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने ताजिकिस्तान की राजधानी में एक सम्मेलन के दौरान यह बात कही।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 5

डॉक्टर की आत्महत्या से रोहतक पीजीआइ में उबाल

रोहतक : पंडित बीडी शर्मा हेल्थ यूनिवर्सिटी में पीजी डॉक्टर ओमकार के आत्महत्या के बाद उपजा आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। यूजी व पीजी डॉक्टर दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे, जिससे मरीजों को परेशानी हुई। पीजीआइ प्रबंधन और डॉक्टरों के बीच सहमति नहीं बन सकी है। लगातार दूसरे दिन हड़ताल के कारण वार्ड, इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर लगभग खाली पड़े हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

हांगकांग में विवादित प्रत्यर्पण कानून पर रोक

हांगकांग : हांगकांग की नेता कैरी लैम ने विवादित प्रत्यर्पण कानून को अनिश्चित समय के लिए टाल दिया है। इस कानून में आरोपितों व संदिग्धों को मुकदमा चलाने के लिए सीधे चीन प्रत्यर्पित करने का प्रावधान था। कई लोग प्रस्तावित कानून को हांगकांग की स्वायत्तता पर खतरा मान रहे हैं।

केंद्र ने ममता से मांगा हिंसा का हिसाब

सख्त रुख ▶ जारी की एक और एडवाइजरी, हिंसा रोकने में विफल रहने का आरोप

2016 के बाद राजनीतिक और चुनावी हिंसा पर जताई गंभीर चिंता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद भी पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमाई हुई है। आने वाले दिनों में यह और तल्ख हो सकती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लगातार जारी हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर कानून का शासन लागू करने और आम आदमी को सुरक्षा का अहसास देने में विफल रहने का आरोप लगाया है। राज्य के हालात पर चिंता जताते हुए गृह मंत्रालय ने 2016 से अभी तक हुई राजनीतिक हिंसा और उसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ की गई कार्रवाई का ब्योरा देने को कहा है।

पिछले हफ्ते हिंसा रोकने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने की एडवाइजरी जारी करने के बाद गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें पश्चिम बंगाल में 2016 के बाद राजनीतिक और चुनावी

अमित शाह जागरण आर्काइव

हिंसा पर गंभीर चिंता जताई गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार, 2016 में राज्य में राजनीतिक हिंसा की 509 घटनाएं दर्ज की गई थीं जो 2018 में बढ़कर दोगुने से अधिक 1035 हो गईं। इस साल अभी तक 773 हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। हिंसक घटनाओं की बढ़ती संख्या के अनुपात में उसमें मारे जाने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। जहां 2016 में राजनीतिक हिंसा में 36 लोग मारे गए थे, 2018 में मरने वालों की संख्या 96 पहुंच गई। इस साल अभी तक 26 लोग चुनावी हिंसा में मारे जा चुके हैं।

गृह मंत्रालय ने साफ संकेत दिए हैं कि पश्चिम बंगाल में हो रही राजनीतिक हिंसा को लेकर वह मूकदर्शक बना नहीं रह सकता। वह राज्य के ताजा हालात को बहुत गंभीरता से ले रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से यह बताने को कहा है कि राजनीतिक हिंसा रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही यह भी बताने को कहा गया है कि अभी तक हुई हिंसक घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। मालूम हो कि चुनाव के वक्त भी पश्चिम बंगाल ही अकेला ऐसा राज्य था जहां हिंसा हुई थी।

बंगाल में हिंसा का दौर जारी, चार की हत्या

कोलकाता : लोस चुनाव से पहले पंचायत प्रधान एवं तृणमूल नेता की हत्या के बाद से सियासी हिंसा की आग में सुलग रहा बंगाल का डोमकल एक बार फिर दहल उठा। बदमाशों ने एक मकान पर धावा बोलकर पंचायत प्रधान के बेटे, बड़े भाई और पड़ोसी की हत्या कर दी। वहीं, खानाकुल में एक अन्य की हत्या कर दी गई। (पूरी खबर पेज-4 पर)

ममता बोलीं, उप्र और गुजरात के लिए जारी करें एडवाइजरी

कोलकाता, जेएनएन : केंद्र की ओर से पश्चिम बंगाल को एक और एडवाइजरी जारी किए जाने से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर बिफर गईं। शनिवार को राज्य सचिवालय में उन्होंने कहा, 'दिल्ली में बैठे-बैठे केंद्र सरकार केवल एडवाइजरी जारी करती रहती है। एडवाइजरी ही जारी करनी है तो उत्तर प्रदेश और गुजरात के लिए जारी करें क्योंकि वहां कानून और स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। बंगाल की स्थिति काफी बेहतर है। लोकतंत्र में कभी-कभी हड़ताल कर दी जाती है। ममता ने कहा, 'केंद्र के पास अंतरराष्ट्रीय, सुरक्षा और वित्त के अलावा कोई खास काम नहीं है, इसलिए बड़ी-बड़ी बातें करता है। हम केंद्र की एडवाइजरी को लेकर चिंतित नहीं हैं क्योंकि यहां की स्थिति बेहतर है।' मालूम हो कि केंद्र की ओर से जारी पिछली एडवाइजरी पर प्रतिक्रिया देते हुए ममता ने केंद्र और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बदले की भावना से काम करने और राज्य को बदनाम करने का आरोप लगाया था।

पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था मुमकिन : पीएम

नई दिल्ली में शनिवार को नीति आयोग की पांचवी बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी (दोनों बाएं), नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार और गृह मंत्री अमित शाह (दोनों दाएं)। प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- मोदी ने नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल को किया संबोधित
- कृषि क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर भी दिया बल

भारत के लिए अगले पांच साल में पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है लेकिन राज्यों के संजीदा प्रयासों से इसे हासिल किया जा सकता है। इसको हासिल करने के लिए राज्यों को अपनी क्षमताओं को पहचानते हुए जिला स्तर पर जीडीपी के लक्ष्य ऊपर रखकर इसकी शुरुआत करनी होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्रियों व केंद्र शासित क्षेत्रों के उप-राज्यपालों और चुनिंदा केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में यह बात कही। वहीं जम्मू कश्मीर के राज्यपाल ने बैठक में भाग लिया।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की यह पांचवीं बैठक थी। मोदी ने बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को पूरा करने में नीति आयोग को अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने गरीबी, बेरोजगारी, सूखा, बाढ़, प्रदूषण, भ्रष्टाचार और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक लड़ाई का आह्वान किया। हाल में संपन्न आम चुनावों को विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक कवायद करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब प्रत्येक व्यक्ति को भारत के विकास के लिए कार्य करने का वक्त है। प्रधानमंत्री ने कहा, '2024 तक भारत को पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि मार्च 2019 के अंत तक अनुमानित भारतीय अर्थव्यवस्था 2.75 लाख करोड़ डॉलर की हो चुकी है।

मोदी ने राज्यों से उनकी क्षमताओं को पहचानने और जिला स्तर पर जीडीपी के लक्ष्य ऊपर रखने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गवर्निंग काउंसिल के इस मंच पर मौजूद सभी सदस्यों का एक साझा लक्ष्य 2022 तक नए भारत का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि अल्पावधि और दीर्घकालिक लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर फोकस होना चाहिए।

पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं

देश	अर्थव्यवस्था
अमेरिका	19.48
चीन	12.27
जापान	4.8
जर्मनी	3.69
भारत	2.65

(आंकड़े लाख करोड़ डॉलर में)

स्रोत : विश्व बैंक, जीडीपी से संबंधित आंकड़े 2017 के। लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था 2019 की शुरुआत में ही 2.75 लाख करोड़ डॉलर हो चुकी है।

सूखे से निपटने को पीएम की 'पर ड्रॉप, मोर क्रॉप' की रणनीति पेज>>3

बिहार में लू लगने से 60 लोगों की मौत

- औरंगाबाद में 34, गया में 12, नवादा में 14 लोगों की गई जान
- दिन के करीब दो बजे शुरू हुआ औरंगाबाद में मौत का सिलसिला

जागरण न्यूज नेटवर्क, गया

आग बरसाती तेज धूप में शनिवार को बिहार के मगध प्रमंडल में 60 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 34 अकेले औरंगाबाद के हैं। लू से गया जिले के 12 और नवादा के 14 लोगों की मौत हो गई। शेखपुरा और चतरा के भी एक-एक व्यक्ति की मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। हालांकि, इन दोंनों की लू से मौत होने की पुष्टि नहीं हो पाई है।

औरंगाबाद की घटना ने हर किसी को हिला कर रख दिया। जिले में गर्मी और लू से इतनी बड़ी संख्या में मौत की घटना पहली बार हुई है। बिहार के किसी एक जिले में एक दिन में लू से इतनी मौत कभी नहीं हुई।

औरंगाबाद के सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र प्रसाद ने लू से 25 लोगों के मरने की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने माना कि इससे ज्यादा मौतें हुई हैं, वे मृतकों का पता लगा रहे हैं। दरअसल, कई लोग शव लेकर अस्पताल से जा चुके थे। वहीं, मगध प्रमंडल के क्षेत्रीय स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ. विजय कुमार ने 32 लोगों की मौत की पुष्टि कर दी है। देर रात मगध मेडिकल अस्पताल में औरंगाबाद के दो और लोगों की मौत हो गई। उन्होंने भी कहा कि यह संख्या अभी और बढ़ सकती है। विभिन्न जगहों के करीब डेढ़ दर्जन मरीज मेडिकल कॉलेज लाए गए हैं। डॉक्टरों की टीम अलर्ट हो गई है।

वहीं, जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने देर रात तक गया के 12 लोगों की मौत की पुष्टि की। कइयों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। नवादा में भी 14 लोगों की मौत हुई है। इनमें एक की मौत मेडिकल कॉलेज में हुई। नवादा सदर अस्पताल में भी डेढ़ दर्जन मरीज भर्ती हैं।

वहीं, औरंगाबाद में मौत का यह सिलसिला करीब दो बजे दिन से शुरू हुआ। अस्पताल में एक के बाद एक मरीज आते गए। डॉक्टरों ने बताया कि अधिसंख्य मृत अवस्था में ही लाए गए थे। घटना का कारण लू ही है या कहीं कोई वायरल अटैक या फूड प्वाइजनिंग तो नहीं, इस सवाल पर कहा कि यह लू से ही मौत है। वैसे, डॉक्टर हर केस का निरीक्षण कर रहे हैं। क्षेत्रीय स्वास्थ्य उपनिदेशक ने विभागीय प्रधान सचिव को इस त्रासदी से अवगत करा दिया है।

गर्मी ने तोड़ा 53 साल का रिकॉर्ड : राजधानी पटना में शनिवार को गर्मी ने 53 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले नौ जून 1966 को पटना का अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

ममता ने मानीं सारी शर्तें, पर हड़ताली डॉक्टर झुकने को तैयार नहीं

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल में कोलकाता के नीलरतन सरकार (एनआरएस) मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों से मारपीट के विरोध में प्रदेश में पांचवें और देशभर के कई राज्यों में दूसरे दिन भी हड़ताल जारी रही। इस बीच इलाज के अभाव में एक और बच्चे की मौत हो गई। इलाज नहीं मिलने से अब तक बंगाल में छह लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी ओर बंगाल में लगातार चरमरा रही स्वास्थ्य सेवा को पटरी पर लाने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हड़ताली डॉक्टरों की सारे शर्तें मान ली हैं, पर डॉक्टर झुकने को तैयार नहीं। उन्होंने काम पर लौटने की ममता बनर्जी की अपील ठुकरा दी। इससे पहले मुख्य सचिव मलय डे ने नोटिस जारी कर उनकी 10 सूत्री मांगें पूरी करने की बात कही।

(पूरी खबर पेज-5 पर)

छह साल बाद

इस साल सिर्फ 36 दिनों में दर्शनों के लिए केदारनाथ पहुंच चुके हैं 6.32 लाख यात्री, जाहिर है तीर्थयात्रियों की संख्या के लिहाज से नया रिकॉर्ड बनने वाला है। अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत प्रस्तावित निर्माण कार्य भी तेज हो गए हैं...

आपदा से उबरे केदारनाथ में रचा जा रहा इतिहास

बृजेश भट्ट, रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के केदारनाथ में छह साल पहले 15 जून 2013 को आई त्रासदी का दुख अब सिर्फ यादों में रह गया है, क्योंकि केदारपुरी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने ही केदारपुरी का पुनर्निर्माण ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत शुरू कराया। यही कारण है कि आपदा के बाद शुरुआती दो साल में जरूर यात्रियों की संख्या कम हुई, लेकिन 2019 में यात्रा शुरू होने के बाद सिर्फ 36 दिन में ही यात्रियों की संख्या 6.32 लाख से अधिक पहुंच चुकी है। सरकार की ओर से जुटाई गई व्यवस्थाओं का ही नतीजा है कि इस बार धाम में पहुंचने वाले यात्री नया रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं। इससे यात्रा से जुड़े हजारों व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं।

तबाही के बाद शायद ही किसी को उम्मीद रही होगी कि इतनी जल्दी केदारनाथ यात्रा पुरानी रंगत में लौट पाएगी, लेकिन आपदा के बाद केदारपुरी में जिस तेजी से बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई, वह अपने आप में एक अनूठा उदाहरण है। आपदा में गौरीकुंड हाइवे रुद्रप्रयाग से लेकर गौरीकुंड तक कई स्थानों पर पूरी तरह बह गया था, लेकिन अब इस हाइवे को ऑलवेदर रोड के तहत बनाया जा रहा है। फिलहाल हाइवे की कटिंग का कार्य पूरा हो चुका है। इससे लोगों में केदारनाथ जाने का उत्साह और भी बढ़ गया है।

रुद्रप्रयाग स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम छह साल में पूरी तरह बदल चुका है। केदारनाथ मंदिर के ठीक सामने तैयार किया गया पैदल मार्ग, जो 200 मीटर लंबा व 25 मीटर चौड़ा है। जागरण

यात्रा पड़ावों पर किए शानदार इंतजाम : केदारनाथ समेत पैदल मार्ग के यात्रा पड़ावों पर यात्रियों के ठहरने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। धाम में यात्रियों के लिए शानदार कॉटेज बनाए गए हैं। इसके अलावा तीर्थ पुरोहितों के लिए भी 210 भवनों का निर्माण कराया गया है। जबकि नए यात्रा मार्ग के दस किमी हिस्से में भीमबली से लेकर केदारनाथ तक कई छोटे बाजार विकसित किए गए हैं। ऐसे में यह पहला मौका है, जब केदारनाथ में पूरी रात मंदिर दर्शनों के लिए खुला है।

... लेकिन कायम है सिस्टम की सुस्ती

त्रासदी के छह साल बाद भी सिस्टम की सुस्ती साफ झलक रही है। यात्रियों की भीड़ को रेगुलेट करने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इसके साथ ही फोटोमीट्रिक पंजीकरण की व्यवस्था भी हिचकोले खा रही है। ऋषिकेश से रोटेशन में जा रहे यात्रियों का तो पंजीकरण हो रहा है, लेकिन इससे कहीं ज्यादा यात्री बगैर पंजीकरण के सीधे केदारनाथ पहुंच रहे हैं।

केदारनाथ धाम में पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या

वर्ष	कुल यात्री
2019	6,32,576 (14 जून तक)
2018	7,32,390
2017	4,71,235
2016	3,49,123
2015	1,59,340
2014	39,500

पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत हुए कार्य

- मंदाकिनी नदी पर घाट और चबूतरे
- केदारनाथ मंदिर परिसर का चौड़ीकरण और मंदिर के ठीक सामने 200 मीटर लंबे रास्ते का निर्माण
- तीर्थ पुरोहितों के लिए 210 भवन
- धाम में 400 मीटर लंबा आस्था पथ
- केदारनाथ धाम से जुड़ी गरुड़चट्टी
- यात्रियों के रहने के लिए कॉटेज